आराधना करता हु

आराधना करता हूँ , मेरे श्या,म के लिए,
मैंने रंगा केसरी चोला , लखदातार के लिए,

है कलयुग के अवतारी ,तेरे नाम की महिमा भारी,
तेरे दर पे आन पड़ा हूँ , दर्शन का बन के भिखारी,
घुट घुट कर तरस रहा हूँ , दीदार के लिए,
मैंने रंगा केसरी चोला.....

स्वारथ ने मुझको घेरा ,लालच ने डाला डेरा,
प्रभु मोह माया में पड़कर , मैं भूल गया दर तेरा,
मुझे अब तो राह दिखादे, भव पार के लिए ,
मैंने रंगा केसरी चोला.....

ओ बाबा शीश के दानी , तेरी शक्ति सबने जाणी,
प्यासी आँखों में भर दे , सूरत तेरी मस्तानी,
मेरा आवागमन मिटा दे, हर बार के लिए,
मैंने रंगा केसरी चोला.....

वो जीवन भी क्या जीवन ,जिसने दरबार न देखा,
वी स्वामी भक्त नहीं , जिसने माथा नहीं टेका,
खाटू में मुझे बसा ले , तेरे प्यार के लिए,
मैंने रंगा केसरी चोला.....

https://www.bharattemples.com/aaradhana-karta-hu-darbar-ke-liye-maine-ranga-keshri-chola-lakhdatar-ke-liye/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw